Chhindwara University, Chhindwara (M.P.)

Syllabus of M.A. Hindi Semester System

Semester – I (Session – 20-21)

Syllabus opted by the board of studies in HINDI Chhindwara University in the meeting held on 03/02/2020 to 05/02/2020

Session	Course	Title of paper	Max. Marks Theory/CCE	Max. Marks Practical	Minimum Passing Theory/CCE	Total Marks
Second	Paper - I	प्राचीन एवं मध्ययुगीन काव्य तथा उसका इतिहास	**40/10**		**15/04**	**50**
	Paper - II	आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास	**40/10**		**15/04**	**50**
	Paper - III	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र	**40/10**		**15/04**	**50**
	Paper – IV	हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	**40/10**		**15/04**	**50**
	~~Paper - IV~~	—	—	—	—	—

Board of Studies:

I. संयोजक – प्रो. लक्ष्मीचंद – शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा 5.2.2020

II. सदस्य – प्रो . गोविंद सिरसाटे – जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट

III. सदस्य – प्रो. सुशील ब्यौहार – शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा 5.2.2020

IV. सदस्य – श्री एस.आर. शर्मा – शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिन्दवाड़ा 5/2/2020

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

कक्षा : एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर सत्र 2020–21
प्रश्नपत्र : प्रथम
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

अधिकतम अंक 40
उत्तीर्णांक 15

इकाई 1 विद्यापति – 20 पद (विद्यापति, सं. डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित)
पद क्रमांक 3, 5, 6, 7, 8, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 59, 62, 64, 70, 72, 73, 74, 77

1. कबीर – कबीर ग्रंथावली :– डॉ. श्यामसुंदर दास
   गुरूदेव को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10) ज्ञान–विरह को अंग (साखी क्रमांक 1 से 10)
2. जायसी – पद्मावत :– संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (मानसरोवर खंड एवं नागमती वियोग खंड)

इकाई 2 विद्यापति, कबीर और जायसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई 3 आदिकालीन काव्य का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियों एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई 4 मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियों एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई 5 द्रुतपाठ के कवि – चन्द्रबरदाई, अमीर खुसरो, रैदास, नामदेव, सरहपाद।

अंक विभाजन				
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1	=	5
	लघुउत्तरीय प्रश्न	5x2	=	10
	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	2x5	=	10
	समीक्षात्मक प्रश्न	3x5	=	15
	आंतरिक मूल्यांकन		=	10

संदर्भ ग्रंथ की सूची –

1. विद्यापति – संपादक डॉ. आनंद प्रकाश दीक्षित।
2. कबीर ग्रंथावली : डॉ. श्यामसुंदर दास
3. पदमावत : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।

प्रो. लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्यौहार	सीताराम शर्मा
संयोजक, अध्ययन मंडल	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

कक्षा : एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर सत्र 2020–21
प्रश्नपत्र : द्वितीय
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

अधिकतम अंक 40
उत्तीर्णांक 15

इकाई 1
1. स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद
2. आधे–अधूरे – मोहन राकेश
3. गोदान – प्रेमचंद
4. शेखर एक जीवनी – अज्ञेय

इकाई 2 स्कन्दगुप्त, आधे–अधूरे, गोदान एवं शेखर एक जीवनी से समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 3 हिन्दी नाटक, रंगमंच एवं उपन्यास के इतिहास की विविध प्रवृत्तियाँ और रचनाकारों पर समीक्षात्मक प्रश्न।

इकाई 4 द्रुतपाठ :
1. नाटककार–भारतेन्दु हरिश्चंद्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, जगदीशचंद्र माथुर, धर्मवीर भारती, लक्ष्मीनारायण लाल।
2. उपन्यासकार– जैनेन्द्र, अमृतलाल नागर, भीष्म साहनी, मन्नू भंडारी, श्रीलाल शुक्ल, उषा प्रियंवदा, यशपाल, रेणु।

इकाई 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (संपूर्ण पाठ्यक्रम से)

अंक विभाजन				
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1	=	5
	लघुउत्तरीय प्रश्न	5x2	=	10
	दीर्घउत्तरीय प्रश्न व्याख्यांश	5x2	=	10
	समीक्षात्मक प्रश्न	5x3	=	15
	आंतरिक मूल्यांकन		=	10

संदर्भ ग्रंथ की सूची –

1. स्कन्दगुप्त – जयशंकर प्रसाद।
2. आधे–अधूरे – मोहन राकेश।
3. गोदान – प्रेमचंद।
4. शेखर एक जीवनी – अज्ञेय।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र।
6. हिन्दी नाटक के सौ बरस– शिल्पायन

5.2.2020 5.2.20 5/2/2020

प्रो. लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील ब्योहार	सीताराम शर्मा
संयोजक, अध्ययन मंडल	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

कक्षा : एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर सत्र 2020–21
प्रश्नपत्र : तृतीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अधिकतम अंक 40
उत्तीर्णांक 15

इकाई 1 संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार, शब्द शक्ति, काव्यगुण, काव्यदोष।
रस सिद्धांत – रस का स्वरूप, रस निष्पति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

इकाई 2 अलंकार सिद्धांत – मूल स्थापनाएँ, अंलकारों का वर्गीकरण।
रीति – सिद्धांत, रीति की अवधारणाएँ, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख विशेषताएँ।

इकाई 3 ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि–सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य चित्रकाव्य। वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई 4 औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद। हिन्दी कवि–आचार्यो का काव्य शास्त्रीय चिंतन– लक्षण काव्य परम्परा एवं कवि चिंतन।

इकाई 5 हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी, सौष्ठववादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक विभाजन				
	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1	=	5
	लघुउत्तरीय प्रश्न	5x2	=	10
	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	5x5	=	25

संदर्भ ग्रंथ की सूची –

1. भारतीय काव्यशास्त्र – प्रो. सत्यदेव चौधरी
2. रस सिद्धांत – डॉ. सुंदरलाल कथूरिया
3. रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. ध्वनि सिद्धांत तथा तुलनीय साहित्य चिंतन– डॉ. बच्चूलाल अवस्थी, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
5. हिन्दी साहित्यशास्त्र– डॉ. कृष्ण वल्लभ जोशी।
6. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. रामचंद तिवारी।
7. टालोचक और आलोचना – डॉ. बच्चन सिंह
8. भारतीय काव्य शास्त्र – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
9. रस – डॉ. नगेन्द्र
10. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय।

प्रो. लक्ष्मीचंद	प्रो. गोविंद सिरसाटे	प्रो. सुशील व्यवहार	सीताराम शर्मा
संयोजक, अध्ययन मंडल	सदस्य	सदस्य	सदस्य

छिन्दवाड़ा विश्वविद्यालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

कक्षा : एम.ए. हिन्दी
सेमेस्टर : प्रथम सेमेस्टर सत्र 2020–21
प्रश्नपत्र : चतुर्थ
हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं उसकी सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

अधिकतम अंक 40
उत्तीर्णांक 15

इकाई 1 हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन एवं पृष्ठभूमि, हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा और पद्धतियाँ, साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण।

इकाई 2 आदिकाल की विशेषताएँ एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। रासो, फाग, चर्चरी, बेलि, षड्ऋतु और बारहमासा। आदिकालीन हिन्दी रासो, सिद्ध, नाथ और जैन साहित्य। अमीर खुसरो की हिन्दी कविता। विद्यापति और उनकी पदावली तथा लौकिक साहित्य। आदिकालीन प्रतिनिधि रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ आदिकालीन गद्य साहित्य। आदिकाल का समग्र मूल्यांकन।

इकाई 3 **पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल)**

भक्तिकाल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक पृष्ठभूमि। भक्ति का उद्‌भव और विकास। भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप। भक्तिकालीन विभिन्न काव्य धाराएँ और उनका विश्लेषण।

इकाई 4 **निर्गुण संत कवि और उनका अवदान –**

संत काव्य परम्परा, प्रमुख कवि एवं संत साहित्य की विशेषताएँ। सूफी प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा प्रमुख कवि एवं विशेषताएँ।

सगुण भक्ति काव्य – राम भक्ति काव्य–धारा के प्रमुख कवि उनका काव्य। राम भक्ति काव्य की विशेषताएँ

कृष्ण भक्ति काव्य– कृष्ण भक्ति काव्य एवं प्रमुख कवि, कृष्ण भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ।

भक्ति काव्य की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।

इकाई 5 **उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल)**

रीतिकाल ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि। रीतिकाल की कालसीमा एवं नामकरण।रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व,

निरंतर क्रमशः 2

5.2.2020 5/2/20 5/2/2020

रीति परम्परा का प्रवर्त्तन और केशवदास, रीतिकालीन साहित्य की विविध धाराएँ–रीतिबद्ध रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्य धारा के कवि तथा उनका काव्य। रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य में अंतर। रीतिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

अंक विभाजन	वस्तुनिष्ठ प्रश्न	5x1	=	5
	लघुउत्तरीय प्रश्न	5x2	=	10
	दीर्घउत्तरीय प्रश्न	5x5	=	25
	आंतरिक मूल्यांकन		=	10

संदर्भ ग्रंथ की सूची –

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. संस्कृति के चार अध्ययन – रामधारी सिंह दिनकर।
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – संपादन डॉ. नगेन्द्र।
6. हिन्दी रीति साहित्य – राजकमल प्रकाशन दिल्ली।
7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास – डॉ. रामकिशोर शर्मा, श्यामा प्रकाशन संस्थान, दारागंज इलाहाबाद।
8. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
9. हिन्दी साहित्य का अद्यतन इतिहास – डॉ. मोहन अवस्थी।
10. भक्ति कालीन काव्य चिंतन – डॉ. प्रेमशंकर
11. भक्ति काव्य और मानव मूल्य – डॉ. वीरेन्द्र मोहन

5-2-2020

प्रो. लक्ष्मीचंद संयोजक, अध्ययन मंडल	प्रो. गोविंद सिरसाटे सदस्य	प्रो. सुशील ब्यौहार सदस्य	सीताराम शर्मा सदस्य